Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding Need to fix the MSP of Arandi and milk in Gujarat-laid.

श्रीमती शारदा अनिल पटेल (महेसाणा): पूरे विश्व में भारत में अरंडी सबसे ज्यादा उगाई और उत्पादित की जाती है जो तकरीबन विश्व का 28% है । हमारे देश में अरंडी का उत्पादन सालाना तकरीबन आठ लाख हेक्टेयर में होता है उसमें से तकरीबन 5,70,000 हेक्टेयर उत्पादन सिर्फ गुजरात में होता है । मतलब की देश के कुल उत्पादन का 70% सिर्फ गुजरात के किसान उगाई करते हैं । जिसमें से बड़ा योगदान मतलब कि तकरीबन 5 ,0 0, 0 00 (पांच लाख) हेक्टेयर में सिर्फ उत्तर गुजरात में होती है । जो कि देश के उत्पादन का तकरीबन 60% होता है । लेकिन अरंडी के सही दाम नहीं मिलने की वजह से किसानों की आय कम होती जा रही है ।कृषि के साथ-साथ उत्तर गुजरात के किसानों का दूसरा व्यवसाय है पशुपालन । अरंडी की तरह पूरे विश्व में भारत दूध उत्पादन में नंबर एक पर है और भारत के उत्तर गुजरात दूध उत्पादन में काफी आगे है । एशिया की सबसे बड़ी डेरी "दूध सागर" मेरे मतक्षेत्र मेहसाणा में है । इसके अलावा "बनास" और "साबर" जैसी बड़ी -बड़ी डेरी प्लांटस भी उत्तर गुजरात की शान बढ़ा रहे हैं । यह बड़ी-बड़ी डेरियां उत्तर गुजरात में कार्यरत हैं उसकी वजह है । उत्तर गुजरात का पशुपालन व्यवसाय । लेकिन किसानों को दूध उत्पादन की लागत के सामने दूध की कीमत बहुत कम मिल रही है ऐसा किसानों का मानना है । डेरी वाले दूध की कीमत तय कर किसानों से दूध की खरीदारी करते हैं । लेकिन पशुपालन में पशुओं के रखरखाव के पीछे काफी खर्च होता है । तो मेरा यह सुझाव है कि दूध का भी न्यूनतम समर्थन मूल्य सरकार तय करे तो किसानों की आय में इजाफा हो सकता है ।

हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र भाई मोदी जी के सपनों के भारत के निर्माण के लिए किसानों की आय दोगुनी करने के लिए आह्वान किया हुआ है ।किसानों

की आय दोगुनी करने के विषय में मौजूदा सरकार बहुत ही अच्छे और सराहनीय कदम उठा रही है । उत्तर गुजरात और पूरे भारत के किसानों के हित में, दूसरे कृषि उत्पादों की तरह अरंडी और दूध के न्यूनतम समर्थन मूल्य सरकार तय करने के लिए जरूरी कदम उठाए ऐसी मेहसाणा के सांसद के तौर पर मेरा निवेदन है ।

धन्यवाद ।